ॐકાર ફાઉન્ડેશન ટ્રસ્ટ
"માનવસેવા એ જ ઈશ્વરસેવા"
ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट

वर्ष-6 अंक : 85

सहयोग शुल्क : रु. 1 / जनवरी : 2024

दिव्यांग सेतु

संपादक :- संतश्री ॐऋषि प्रितेशभाई

हमारे संकल्पों की पतंगे राम मंदिर के रुप में सिद्ध होना ऐतिहासिक क्षण हैं
– संतश्री ॐऋषि प्रितेशभाई

अयोध्या राममंदिर और मकरसक्रांति की देशवासियों को शुभकामनाएं
– प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

निरामय हेल्थ पॉलिसी

पात्रता

- केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही यह पॉलिसी सेरेबल, पाल्सी, ऑटिज्म, मेन्टल रिटार्डेशन, मल्टिपल डिसेबिलिटीसे असरग्रस्त दिव्यांगो को मिल सकती है।
- ४०% अथवा उससे अधिक दिव्यांगता से असरग्रस्त व्यक्ति को इस पॉलिसी का लाभ मिल सकेगा।
- रू. २५०/- बी.पी.एल. एवं रु.५००/- ए.पी.एल. दिव्यांगो के लिए सिंगल प्रीमियम

लाभ

रु. १,००,०००/- तक का इंश्योरेंस मिल सकता है।
(निर्धारित किए हुए फंड के अनुसार)

आवेदन-पत्र के साथ जमा किए जाने वाले प्रमाण-पत्र/दस्तावेज

सिविल सर्फर का दिव्यांगता दर्शाता प्रमाण-पत्र

(ऊपर बताई गई चार बीमारियों में से किसी भी एक का उल्लेख प्रमाण-पत्र में जरुरी है)

- ✓ वर्तमान की पासपोर्ट साइज़ फोटो
- ✓ राशनकार्ड की प्रमाणित कोपी
- ✓ निवास स्थान का प्रमाण (राशनकार्ड अथवा वोटिंग कार्ड)
- ✓ बी.पी.एल. कार्ड (यदि बी.पी.एल. में आते हैं तो)
- ✓ बैंक पासबुक की फोटो कोपी (बैंक IFSC कोड के साथ)

संपादकीय

पूरे संसार का ध्यान आज भारत वर्ष पर है । पूरा संसार भारत के स्वर्णिम इतिहास से परिचित है और एक बार पुनः यह इतिहास दोहराया जाएगा ऐसी उम्मीद संसार को है । जनवरी २०२४ का महिना मेरे जीवन में व्यक्तिगत रुप से भी बहुत महत्वपूर्ण सिद्ध रहेगा । १४ जनवरी मकरसक्रांति केवल सूर्य के गतिमान होने का अवसर नहीं है आज पूरा भारत वर्ष गतिमान हो रहा है । विकास की धरी पर आज भारत वर्ष अपने सारे संकल्पों के साथ अग्रसर होता जा रहा है । कभी असंभव से लगनेवाले संकल्प और कार्य आज सिद्ध होते दिख रहे हैं ।

अपने जीवनकाल में राममंदिर को बना हुआ देख पाएंगे या केवल एक नारा बनकर रह जाएगा ऐसे हमारे संशय का आज निर्वाण हो गया है । अयोध्या में प्रभु श्री राम का भव्य राममंदिर बनकर खड़ा हो गया है और २२ जनवरी २०२४ को पूरे संसार के लिए उसका प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव होने जा रहा है । पूरे भारत के लिए यह ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण है । प्रभु राम के प्रति हमारी आस्था और श्रद्धा को अधिक बल मिलेगा । राममंदिर केवल एक मंदिर नहीं बल्कि करोडों हिन्दुओं और भारतवासियों की आस्था, श्रद्धा और संकल्प का प्रतीक है । ऐसे भव्य राममंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में हमारी शुभकामनाएं और प्रभु श्री राम के चरणों में हमारी आस्था और श्रद्धा को हम समर्पित करते हैं । देशवासियों को ऐसे पावन और ऐतिहासिक अवसर के लिए हमारी शुभकामनाएं है ।

मकरसक्रांति हमारे दिव्यांग बच्चों के लिए केवल एक त्यौहार नहीं बल्कि अपनी उमंगो और आशाओं की भी उडान होता है । मकरसक्रांति से पहले ही हम दिव्यांग बच्चों के साथ इस पर्व को मनाते हैं, इस वर्ष भी पूरे उत्साह के साथ इस पर्व का आनंद उठाया । हमारे सभी दिव्यांग बच्चों को मकरसक्रांति पर्व की अनेकानेक शुभकामनाएं ।

दिव्यांग सेतु

मासिक पत्रिका

जनवरी : 2024, पृष्ठ संख्या : 16

वर्ष-6 अंक : 85

प्रेरणास्त्रोत और संपादक

मंत्रयुगपरिवर्तक ॐकार महामंडलेश्वर १००८
प. पू. संतश्री सद्‌गुरु ॐऋषि स्वामी ।

सह-संपादक

मिहिरभाई शाह

मो. 97241 81999

संपर्क-सूत्र

सेवा समर्पण फाउण्डेशन

ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट (NGO)

Trust Reg. No. : E/20646/Ahmedabad

०१, ग्राउण्ड फ्लोर, आंगी एपार्टमेन्ट,

अन्नपूर्णा पार्टी प्लाट के सामने,

नया विकासगृह रोड, पालडी,

अहमदाबाद - ३८०००९

(मो.) 99749 55365, 9974955125

मुद्रक

प्रिन्ट विज़न प्रा. लि.

आंबावाडी बाज़ार, अहमदाबाद-6

Phone : 079 26405200

ॐकार फाउन्डेशन द्वारा

आयोजित दिव्यांग पतंगोत्सव (९वां वर्ष) में दिव्यांगों का
उत्साह बढ़ाने गुजरात राज्य के
(सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण विभाग) की
कैबिनेट मंत्री श्रीमती भानुबेन बाबरीया को
दिव्यांग पतंगोत्सव का निमंत्रण एवं सद्गुरु ॐऋषि स्वामी रचित
वेदांत दर्शन आर्षेय भाष्यम् ग्रंथ (वेदांत का भाष्य) और
ॐकार चालीसा की प्रत देते हुए ॐकार फाउन्डेशन के ट्रस्टी श्री किंजलभाई शाह

ॐकार फाउन्डेशन द्वारा

आयोजित दिव्यांग पतंगोत्सव (९वां वर्ष) में दिव्यांगों का उत्साह बढ़ाने के लिए अहमदाबाद की

मेयर श्रीमती प्रतिभाबेन जैन को

दिव्यांग पतंगोत्सव का निमंत्रण एवं सद्गुरु ॐऋषि स्वामी रचित वेदांत दर्शन आर्षेय भाष्यम् ग्रंथ (वेदांत का भाष्य) और ॐकार चालीसा की प्रत देते हुए ॐकार फाउन्डेशन के ट्रस्टी श्री किंजलभाई शाह

ॐकार फाउन्डेशन द्वारा

आयोजित दिव्यांग पतंगोत्सव (९वां वर्ष) में दिव्यांगों का
उत्साह बढ़ाने के लिए बढ़ाने गुजरात राज्य के

विधायक श्री अमितभाई शाह को

दिव्यांग पतंगोत्सव का निमंत्रण एवं सद्गुरु ॐऋषि स्वामी रचित
वेदांत दर्शन आर्षेय भाष्यम् ग्रंथ (वेदांत का भाष्य) और
ॐकार चालीसा की प्रत देते हुए ॐकार फाउन्डेशन के
ट्रस्टी श्री किंजलभाई शाह

ओमकार फाउन्डेश ट्रस्ट द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए भव्य पतंग महोत्सव

ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट दिव्यांगों के कल्याण के लए विभिन्न प्रवृत्तियों का आयोजन करता है । सदगुरु श्री ॐऋषि के मार्गदर्शन में दिव्यांगों के विकास और उन्नति के लिए किए गये कार्यों की चारों ओर प्रशंसा हो रही है । दिनांक ७-१-२०२४ रविवार के दिन अहमदाबाद में ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट ने दिव्यांगों के लिए पतंग महोत्सव का भव्य आयोजन किया था । परम पूज्य सदगुरु श्री ॐऋषि स्वामी और एलीसब्रीज के विधायक श्री अमीतभाई शाह की निश्रा में आयोजित इस पतंग महोत्सव में ५०० से भी अधिक दिव्यांग बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया और भरपूर आनंद उठाया ।

विभिन्न रंगों और डिजाइन की पतंगें हवा में उडाते हुए दिव्यांग बच्चों ने इस महोत्सव को एक सुंदर अवसर में बदल दिया था । ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष इस पतंग महोत्सव का सुंदर और भव्य आयोजन होता है । पतंग महोत्सव में उपस्थित सदगुरु श्री ॐऋषि ने सभी दिव्यांगों और समस्त देशवासियों को मकरसक्रांति पर्व की शुभकामनाएं प्रदान करते हुए आशीर्वाद दिए । एलीसब्रीज के विधायक श्री अमीतभाई शाह ने ओमकार फाउन्डेशन ट्रस्ट के कार्यों की सराहना करते हुए ऐसे भव्य और सुंदर आयोजन के लिए ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट का धन्यवाद किया ।

दिव्यांग पतंगोत्सव २०२४ के कार्यक्रम की झलक दर्शाती हुई तसवीरें

ૐકાર ફાઉન્ડેશન ટ્રસ્ટ (NGO)

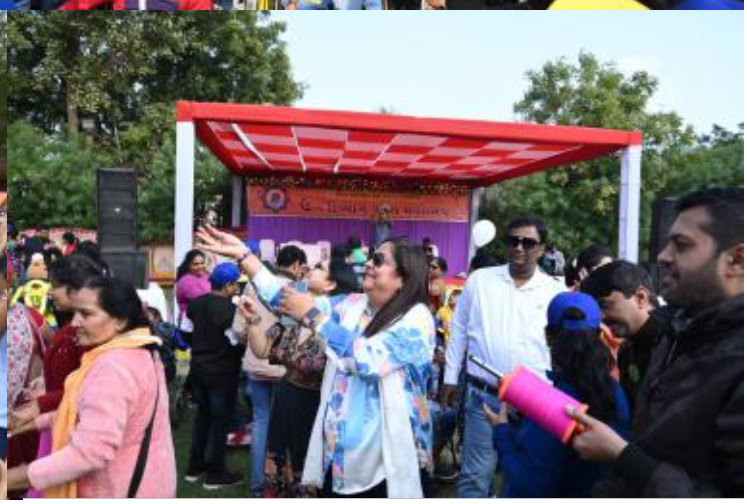

सुस्वागतम्
दिव्यांग કરશે પતંગની મોજ
દિવ્યાંગ પતંગ મહોત્સવ
ॐકાર ફાઉન્ડેશન ટ્રસ્ટ (NGO)

असंभव को संभव करने का प्रतीक श्री राम मंदिर अयोध्या

अयोध्या में राम मंदिर की स्थापना का दिन आ गया है । भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा का दिन २२ जनवरी २०२४ है.भारत भूमि के लिए यह एक बड़ा पावन अवसर है । पूरा हिन्दुस्तान इस अवसर के लिए वर्षों से आस लगाकर बैठा था और अब हर भारतवासी की यह आस पूर्ण होनेवाली है । हिन्दुस्तान जो मूलतः हिन्दु राष्ट्र है और था । अयोध्या के राम मंदिर में केवल राम की प्राण प्रतिष्ठा ही नहीं हो रही किंतु साथ साथ रामराज्य की शुभ शुरुआत हो रही है । यह एक पावन संकेत है कि हमारा देश सही दिशा में विकास के पथ पर अग्रसर हो रहा है ।

हिन्दुस्तान में ऐसी स्थितियां पैदा हो गई थी कि देश कई विदेशी आक्रांताओं ने हमले कर के देश की धरोहर और संस्कृति को नष्ट करने के बार बार प्रयास किए । किंतु जो सभ्यता अपनी रगो में अपनी संस्कृति और धर्म का भी निर्वहन करती हो उसे कभी नहीं मिटाया जा सकता । २२ जनवरी २०२४ को जब राममंदिर में राम की प्राण प्रतिष्ठा होगी और कई लोग वहां साक्षात उपस्थित होकर राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर का लाभ लेंगे और आप अगर वहां नहीं जा रहे या नहीं जा पाए है तो अपने घर पर बैठकर अपनी आस्था की अभिव्यक्ति के लिए क्या कर सकते हैं । मैं आप को

उसका रास्ता बतात हूं. राम मंदिर प्राम प्रतिष्ठा के इस शुभ अवसर पर आपकी आस्था और श्रद्धा सम्मिलित करने के लिए वहां उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है आप अपने घर पर रहकर भी अपनी आस्था की अभिव्यक्ति कर सकते हैं। इसके लिए आपको भगवान राम के मंत्र का १०८ बार श्रवण करें । उसका उच्चारण करें और अपनी नोटबुक में उसका लेखन करे ।इस प्रकार से करने से आपकी भक्ति और आस्था अपने राम के प्रति अवश्य पहूंचेगी।

राम मंदिर बनाने की मुहिम जब शुरु हुई थी तो मुझे लगता था कि क्या यह संभव हो पाएगा कि हम अपनी आंखो से राममंदिर को बनते हुए देख पाएंगे, या फिर राम मंदिर केवल एक नारा बनकर रह जाएगा । लेकिन आज गर्व और उत्साह के साथ कह सकते हैं कि राम मंदिर केवल एक नारा न रहकर मंदिर के रुप में हमारे सामने प्रत्यक्ष हुआ है । कभी कभी जो चीजें असंभव लगती है वह संभव हो जाती है। राममंदिर इस बात का प्रत्यक्ष उदाहरण है । राममंदिर बनने के पीछे पूरे देश का सहयोग है, लोगों की भावनाओं और आस्था को मूर्त रुप देने के कार्य में नेताओं, कार्यकरों और आम जनता का भी बहुत बड़ा योगदान प्रत्यक्ष और परोक्ष रुप से रहा है। दस साल पहले अगर कोई कहता कि राममंदिर कभी बन पाएगा या चुनावी नारों तक सीमित रह जाएगा लेकिन आज यह नारा राममंदिर के रुप में पूरी दुनिया के सामने मूर्त रुप ले चुका है। असंभव सी लगनेवाली बातें भी संभव हो पाती है यह राम मंदिर को अपनी नजरों के सामेन बनते हुए देखकर सच साबित हो रहा है । हमारे प्रभु श्री राम के जीवन को ही देखें तो पता चलता है कि कितनी ही बातें जो असंभव थी वो संभव हो गई थी । रावण ने सीता का हरण कर उन्हें अशोक वाटिका में कैद रखा था तो तब लगता था कि अब सीता माता को

वापस लाना असंभव है क्योंकि रावण उतना पराक्रमी भी था, लेकिन आज पता चलता है कि प्रभु राम ने उस असंभव को भी संभव कर दिखाया था। तो मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि इस संसार में कुछ भी असंभव नहीं है अगर मनुष्य ठान लें तो असंभव को भी संभव कर सकता है।

भगवान राम का जीवन हमें यही संदेश देता है, आज जब राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है तो हम सब को उनके जीवन से यह सीख लेनी चाहिए कि प्रभु रामने अपने जीवन में कई असंभव बातों को संभव कर दिखाया था क्योंकि उन्होंने उसे कर लेने की ठान ली थी और उस दिशा में सही प्रयास किए थे। हमें भी अपने उद्देश्य के लिए सही दिशा में प्रयास की आवश्यकता है।

राम मंदिर को लेकर कई बार मेरे मन में भी संशय थे कि राम मंदिर केवल कागज पर ही न रह जाए, यह बनेगा या नहीं बनेगा। लेकिन आज मुझे आनंद है कि मैं अपनी आंखो के सामने मंदिर को बनते हुए देख पा रहा हूँ। यह जो कुछ भी हो रहा है उसके पीछे सरकार और लोगों का संकल्प, लगन, परिश्रम और आस्था का बड़ा हाथ है। जो लोग पहले यह कहते थे कि इस देश का कुछ नही हो सकता वह भी आज पूरे भारत को विकास की ओर अग्रसर होते हुए देख रहे हैं। अगर संकल्प और अच्छी नियत होगी तो बडे से बडे असंभव कार्य भी संभव हो सकते हैं।

भगवान राम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के कार्य में अगर हम प्रत्यक्ष रुप से सम्मिलित नहीं हो पा रहे हैं तो हमें राम के मंत्र शक्तिपात का हर दिन प्रयोग करना है। कोई भी रामभक्त इसका मंत्र शक्तिपात कर के उससे होने वाले लाभ पा सकता है। इस मंत्र का १०८ बार उच्चारण करना है इसेस अधिक भी कर सकते हैं, और उसे लिखना भी है। इस मंत्र को इस संकल्प के साथ भी करें कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा निर्विध्न हो और प्रभु राम के आशीर्वाद सब का कल्याण करे।

राम का मंत्र शक्तिपात इस प्रकार है –

ओम राम्‌ म: राम्‌ म: नम: ओम रामस्य: रामस्य: राम्‌ विंदम्‌ नम:

ओम राम्‌ देवामि, देवम्‌ राम्‌, राम्‌ राम्‌ भगवते राम्‌ नम:

ओम सिद्धा राम्‌ राम्‌, विंदा राम्‌ राम्‌, ओम सृव्वा राम्‌ राम्‌, तृव्वा राम्‌ राम्‌ ओम नम:

ओम रामस्यामि...रामस्यामि..नम: ओम नम:

इस मंत्र शक्तिपात का हर रोज श्रवण करने से प्रभु राम के आशीर्वाद आपके जीवन में कल्याण करेंगे।

भगवान राम की कृपा और आशीर्वाद पूरे भारत वर्ष और सारे संसार पर बने रहें और संसार का कल्याण हो।

★★★

श्री राम: आदर्श मानव के आदर्श

भारतीय संस्कृति या धर्म में भगवान राम से अधिक प्रिय कोई दूसरा व्यक्ति नहीं है । अपने साहस, निष्ठा और भक्ति के लिए जाने जाने वाले राम दृढ़ता और न्याय के प्रतीक और आदर्श इंसान के आदर्श हैं । उन्हें धार्मिकता, भक्ति और त्याग का अवतार माना जाता है । उनका जीवन उन मूल्यों और सिद्धांतों का प्रतीक है जिनका दुनिया भर में लाखों लोग सम्मान करते हैं।

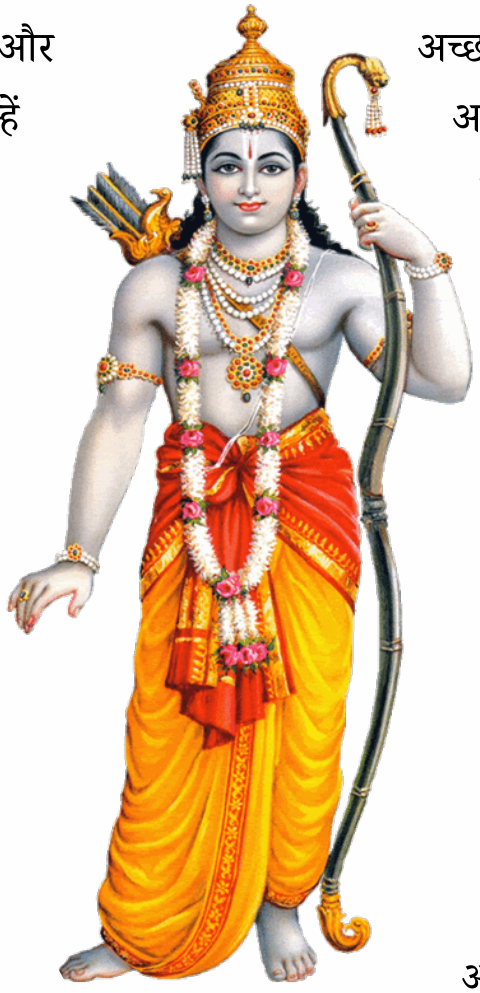

रामायण की कहानी सिर्फ एक राजकुमार की कहानी नहीं है जो अपनी पत्नी को एक दुष्ट राक्षस के चंगुल से बचाता है, बल्कि यह उच्चतम नैतिक मानकों और गुणों का प्रतिबिंब है जिसे हर इंसान को अपनाना चाहिए।

एक राजकुमार के रूप में, उन्हें युद्धकला में प्रशिक्षित किया गया था, लेकिन उन्होंने ऋषियों और द्रष्टाओं से सीखने, आध्यात्मिक गतिविधियों में भी समय बिताया। वह एक कुशल धनुर्धर, निडर योद्धा और एक समर्पित पुत्र, पति और भाई थे।

रावण पर भगवान राम की विजय की कहानी सर्वविदित है, लेकिन भगवान राम की विजय केवल शारीरिक विजय नहीं थी, बल्कि यह बुराई पर अच्छाई की, दुष्टता पर धर्म की विजय थी। अपनी पत्नी के प्रति उनकी अटूट भक्ति और एक राजा के रूप में उनका कर्तव्य उनके चरित्र और मूल्यों का प्रमाण है।

भगवान राम की जीवन कहानी हमारे जीवन में मूल्यों और सिद्धांतों के महत्व की याद दिलाती है । अपने माता-पिता, अपनी पत्नी और एक राजा के रूप में अपने कर्तव्यों के प्रति उनकी भक्ति उच्चतम नैतिक मानकों का प्रतिबिंब है जिसका हम सभी को अनुकरण करने का प्रयास करना चाहिए उनकी शिक्षाएँ और मूल्य दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित करते रहते हैं, और उनकी कहानी उद्देश्य और अर्थ के साथ जीवन जीने के महत्व की याद दिलाती है।

★★★

ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट

संचालित (N.G.O.)

ॐकार दिव्यांग ट्रेनींग डे-केर सेन्टर

मानसिक दिव्यांग बच्चों के लिए निःशुल्क तालीम संस्था

शाला में प्रवेश के लिए संपर्क करे

सुमेल ५, हाउस नं.: ४८/डी, बिजनेश पार्क, चामुंडा ब्रीज कोर्नर,
असारवा, अहमदाबाद-३८००१६ मो.: 99749 55125, 99749 55365

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर